वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 अंक: 74 | शनिवार 22 अगस्त 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

पीएम श्री विद्यालय बनें गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक शिक्षा के आदर्श केंद्रः श्रीनिवास

नामांकन, अकादमिक गुणवत्ता, तकनीकी अनुप्रयोग एवं डी-साइलोइजेशन पर दिया गया विशेष जोर

स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग में राष्ट्रीय स्तर पर 11 विद्यालयों ने किया प्रदेश का नाम रोशन

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्य सचिव वी श्रीनिवास की अध्यक्षता में शुक्रवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में पीएम श्री विद्यालयों के संस्था प्रधानों के साथ राज्य स्तरीय वेबिनार-2 का आयोजन हुआ। वेबिनार में मुख्य सचिव ने कहा कि पीएम श्री विद्यालय राज्य में गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा के आदर्श केंद्रों के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बना रहे हैं। 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का प्रतिमान : पीएम श्री विद्यालय' विषय पर आयोजित वेबिनार में प्रदेशभर के चयनित पीएम श्री विद्यालयों के संस्था प्रधानों तथा जिला एवं ब्लॉक स्तरीय शिक्षा अधिकारियों ने प्रत्यक्ष एवं वर्चुअल माध्यम से सहभागिता की। मुख्य सचिव ने कहा कि इन विद्यालयों में विद्यार्थियों के नामांकन में वृद्धि हुई है, परीक्षा परिणामों में गुणात्मक सुधार आया है तथा डिजिटल डैशबोर्ड व स्मार्ट कक्षाओं के माध्यम से तकनीक का प्रभावी समावेश हुआ है। उन्होंने प्रत्येक माह 10 संस्था प्रधानों के साथ नियमित संवाद जारी रखने, श्रेष्ठ अभ्यासों को समग्र प्रदेश में अपनाए जाने तथा जिला शिक्षा अधिकारियों द्वारा नियमित फील्ड विजिट किए जाने के निर्देश दिए।

शिक्षा ही राष्ट्र और समाज के विकास का आधार स्तम्भ

वेबिनार में शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश यादव ने कहा कि शिक्षा किसी भी राष्ट्र व राज्य के विकास का मुख्य आधार है। विश्व के विकसित देशों तथा देश के अग्रणी राज्यों की प्रगति की नींव में सुदृढ़ शिक्षा व्यवस्था ही रही है। पीएम श्री योजना की मूल संकल्पना यही है कि ये विद्यालय अपने-अपने क्षेत्रों में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनें, जहां आसपास के विद्यालयों के शिक्षक व संस्था प्रधान आकर नवाचारों, शिक्षण विधियों एवं उत्कृष्ट प्रबंधन को देखें-सीखें और अपने विद्यालयों में लागू करें ताकि समूचा शिक्षा तंत्र सुदृढ़ हो सके।

राष्ट्रीय स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग में राजस्थान का परचम

केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग की राष्ट्रीय सूची में प्रदेश के 11 विद्यालयों ने स्थान अर्जित कर राज्य को गौरवान्वित किया है, जिनमें 3 पीएम श्री विद्यालय शामिल हैं। इनमें पीएम श्री दरबार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सांभर लेक (जयपुर) उल्लेखनीय है। 122 वर्ष पुराने इस विद्यालय में भामाशाहों के सहयोग से 1.5 करोड़ रुपए के विकास कार्य हुए। इसने राष्ट्रीय स्तर पर 93.70 अंकों के साथ 14वां स्थान हासिल किया। इसी क्रम में पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बाबरा (ब्यावर) ने भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण प्रमाणित ईट-राइट स्कूल तथा सौर ऊर्जा युक्त हरित परिसर के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर 93.50 अंकों के साथ 23वां स्थान प्राप्त किया। पीएम श्री राजकीय प्राथमिक विद्यालय, परलिया की ढाणी (कोटा) ने कालबेलिया व घुमंतू समुदाय बाहुल्य क्षेत्र में बच्चों के शत-प्रतिशत ठहराव, बालवाटिका में शत-प्रतिशत नामांकन तथा ई-कॉंटेंट आधारित नवाचारों के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर 51वां स्थान अर्जित कर यह सिद्ध किया कि संसाधनों की सीमितता के बावजूद प्रतिबद्धता से उत्कृष्ट परिणाम संभव हैं।

राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में हुआ राज्य स्तरीय वेबिनार-2, संस्था प्रधानों से किया संवाद

संस्था प्रधानों के नवाचारों व उपलब्धियों का हुआ प्रदर्शन

वेबिनार के दौरान विद्यालयों द्वारा किए जा रहे विविध नवाचारों की झलक भी सामने आई। पीएम श्री महात्मा गांधी विद्यालय, टाउन (डूंगरपुर) की एक छात्रा ने पिको सैटेलाइट एवं स्पेस टेक्नोलॉजी वर्कशॉप में राष्ट्रीय स्तर पर सहभागिता कर विद्यालय की तकनीकी क्षमता का परिचय दिया। इसके साथ ही विद्यालयों में पर्यटन, आतिथ्य, स्वास्थ्य सेवा, ब्यूटी एवं वेलनेस तथा रिटेल ट्रेड्स जैसे क्षेत्रों में व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को व्यावहारिक कौशल एवं रोजगार से सीधे जोड़ा जा रहा है। बाल वाटिका के माध्यम से विद्यार्थियों की बुनियादी साक्षरता को सुदृढ़ किया जा रहा है, वहीं पूर्व छात्र सम्मेलन तथा विद्यालय प्रबंधन समिति एवं विद्यालय विकास प्रबंधन समिति की बैठकों के जरिए सामुदायिक सहयोग को सशक्त बनाया जा रहा है, जिससे विद्यालयों के समग्र विकास को नई गति मिल रही है। इस दौरान राज्य परियोजना निदेशक डॉ. रश्मि शर्मा ने बताया कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, विद्यालय स्तर की चुनौतियों को समझने तथा उनके व्यावहारिक समाधान विकसित करने की दिशा में शिक्षक - छात्रा संवाद बातचीत कार्यक्रम की पहल की गई है। वेबिनार में स्कूल शिक्षा परिषद के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। प्रदेश के सभी जिलों से मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी (सीडीईओ), अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक (एडीपीसी) तथा मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (सीबीईओ) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

11 वर्ष की उम्र में शुरू हुई जिद, 29 वर्षों की यात्रा बनी किताब

सीकर के राहुल की 29 वर्षों की संघर्ष, संकल्प और सफलता की प्रेरणादायी यात्रा हुई पुस्तकबद्ध

जयपुर/सीकर

जिद जिसने मुकाम दिलाया यह कहानी है सीकर के राहुल जैन के जीवन की जिसने 11 वर्ष की उम्र में अपनी जिद को 29 वर्षों के लंबे संघर्ष से किताब का रूप दिया । यह उस यात्रा को सामने लाती है, जिसकी शुरुआत वर्ष 1997 में महज 11 वर्ष की उम्र में जिम्मेदारियों को समझने और पापड़ बेचने जैसे छोटे प्रयासों से हुई। सीमित संसाधनों के बावजूद ईमानदारी, नैतिकता, ग्राहक संबंधों और निरंतर कुछ बेहतर करने की सोच को आधार बनाकर आगे बढ़ी यह यात्रा आज **अरिहंत ग्लोबल** के रूप में एक विस्तृत व्यावसायिक सफर में परिवर्तित हो चुकी है। विगत दिनों पुस्तक का हुआ विमोचनविगत दिनों किशनगढ़ में सम्पर्क संस्थान की 25 वर्षों की गौरवशाली यात्रा के उपलक्ष्य में अग्रसेन विहार, मदनगंज-किशनगढ़ में आयोजित रजत जयंती समारोह में Arihant Global Services India Private Limited के निदेशक राहुल कुमार जैन के जीवन-संघर्ष, संकल्प और सफलता की यात्रा पर आधारित पुस्तक जिद जिसने, मुकाम दिलाया का गरिमामय विमोचन किया गया। लेखिका राशिका शर्मा द्वारा लिखित इस पुस्तक का विमोचन राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी, सम्पर्क संस्थान के अध्यक्ष श्री अनिल लढ़ा, महासचिव एवं

समन्वयक रेणु शब्दमुखर तथा अन्य गणमान्य अतिथियों के कर-कमलों से हुआ। इस अवसर पर राहुल कुमार जैन अपनी पत्नी सुनीता जैन के साथ उपस्थित रहे। आज के युवाओं के लिए प्रेरणा और परिवार के सहयोग के मायनेपुस्तक में राहुल कुमार जैन के जीवन-संघर्ष, कंपनी स्थापित करने की यात्रा, सीमित संसाधनों में भी सर्वश्रेष्ठ करने का प्रयास, कम उम्र में कुछ कर गुजरने का जज़्बा और बदलते दौर के साथ स्वयं को निरंतर बेहतर बनाने की सोच को रेखांकित किया गया है।

उनकी जीवन-यात्रा यह संदेश देती है कि परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी चुनौतीपूर्ण क्यों न हों, उन्हें बहाना बनाकर रुकना नहीं चाहिए। परिस्थितियाँ इंसान को रोकती नहीं, बल्कि उसका हौसला, सोच और निरंतर प्रयास उसकी दिशा तय करते हैं यह बात राहुल कुमार जैन ने अपने जीवन से साबित कर दिखाई है। इस यात्रा में उनके माता-पिता एवं परिवार के अन्य सदस्यों के साथ प्रारंभिक चरण में उनके बड़े भाई विवेक कुमार पाटोदी का विशेष योगदान रहा। उन्होंने परेशानियों और संघर्ष के बीच अपने भाई की पढ़ने और आगे बढ़ने की इच्छा को पुनः जीवित करने में उनका साथ दिया। यही सहयोग राहुल के भविष्य निर्माण में संभवतः एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। राहुल कुमार जैन की यह संघर्षपूर्ण यात्रा आज के युवाओं के लिए प्रेरणा है कि सीमित संसाधन सफलता की राह में बाधा नहीं होते, यदि सीखने की इच्छा, मेहनत, आत्मविश्वास और आगे बढ़ने का जज़्बा कायम रहे। उनकी कहानी इस बात का प्रमाण है कि परिस्थितियों का बहाना बनाकर रुकने के बजाय उन्हें चुनौती मानकर आगे बढ़ने वाला व्यक्ति अपने लिए एक नया मुकाम बना सकता है।

पारसनाथ भगवान के निर्वाण महोत्सव पर महामस्तकाभिषेक, शांतिधारा के साथ चढ़ाया निर्वाण लाडू

सुनील-नेहा जैन एपी बाम परिवार को मिला प्रथम सौभाग्य

बकस्वाहा. शाबाश इंडिया। तहसील क्षेत्र के सुविख्यात पावन-पवित्र श्री दिगंबर जैन सिद्धक्षेत्र रेशंदीगिरि-नैनागिरि में मोक्ष मुकुट सप्तमी के अवसर पर जैन धर्म के तेईसवें तीर्थंकर भगवान पारसनाथ का 2803वां निर्वाण महोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ विविध धार्मिक कार्यक्रमों के बीच संपन्न हुआ। इस अवसर पर भगवान पारसनाथ का महामस्तकाभिषेक, शांतिधारा तथा निर्वाण लाडू चढ़ाने के कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन तीनों प्रमुख धार्मिक अवसरों पर बरायठा निवासी सुनील कुमार जैन-श्रीमती नेहा जैन एपी बाम परिवार को प्रथम बार पूजन एवं धार्मिक क्रियाओं में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं ने इसकी अनुमोदना की। संपूर्ण कार्यक्रम विधि-विधानपूर्वक पंडित अशोक कुमार बम्हौरी के निर्देशन में संपन्न कराया गया। इस पावन अवसर पर आयोजित महामस्तकाभिषेक, शांतिधारा तथा निर्वाण लाडू अर्पित करने का सौभाग्य प्रमुख रूप से पीयूष जैन परिवार दिल्ली, लालचंद्र शास्त्री एवं पुलकित शास्त्री सागर, सुनील चंदेरिया बरायठा, नितिन कुमार एवं प्रकाश कुमार बन्ना बकस्वाहा, अनिल कुमार बंडा, अशोक कुमार करापुर, अनुज कुमार एवं विदित जैन वलेह वाले सागर, श्रीमती शीलरानी एवं संजीव जैन बापू पथरिया सहित अन्य श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ।

वात्सल्य सेवा समिति ने मनाया हरियाली तीज महोत्सव, बबिता जैन बनीं तीज क्वीन

आगरा. शाबाश इंडिया। वात्सल्य सेवा समिति के तत्वावधान में शुक्रवार को अंजलीपुरम, अलबतिया, शाहगंज में हरियाली तीज महोत्सव हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में समिति की पदाधिकारी एवं सदस्याओं सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महोत्सव के दौरान महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में सज-धजकर तीज पर्व की खुशियां साझा कीं। इस अवसर पर विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं के दौरान महिलाओं में खासा उत्साह और उमंग देखने को मिली। कार्यक्रम में महिलाओं ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। उपस्थित महिलाओं ने नृत्य प्रस्तुतियों की खूब सराहना की। इसके साथ ही सभी ने चटपटी चाट का आनंद लेते हुए तीज पर्व की खुशियों को यादगार बनाया। गीत-संगीत, नृत्य और मनोरंजक गतिविधियों से पूरे आयोजन का वातावरण उल्लासमय बना रहा। तीज क्वीन प्रतियोगिता में बबिता जैन ने प्रथम, सुनीता जैन ने द्वितीय और पुष्प जैन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को सम्मानित किया गया। आयोजन के दौरान महिलाओं ने एक-दूसरे को हरियाली तीज की शुभकामनाएं दीं तथा भारतीय संस्कृति और परंपराओं के महत्व पर चर्चा की। समिति की अध्यक्ष रश्मि जैन ने कहा कि हरियाली तीज जैसे सांस्कृतिक आयोजन महिलाओं को एक-दूसरे से जुड़ने के साथ भारतीय संस्कृति और परंपराओं को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कार्यक्रम में सहभागिता करने वाली सभी महिलाओं का आभार व्यक्त किया।

जेएसजी नॉर्थ का सार्थक वृद्धाश्रम में सेवा कार्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

जेएसजीआईएफ नॉर्दर्न रीजन के बैनर तले आयोजित सेवा सप्ताह के छठे दिन जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ की ओर से नया सवेरा के सार्थक वृद्धाश्रम में सेवा कार्य किया गया। ग्रुप अध्यक्ष सुनील सोगानी ने बताया कि इस दौरान सदस्यों ने वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के साथ समय बिताया, उनकी समस्याएं और दुख-दर्द सुने तथा उन्हें फल और घेवर खिलाए। कार्यक्रम संयोजक एवं पूर्व अध्यक्ष अभय गंगवाल ने बताया कि सेवा कार्य में सुनील बडजात्या, अजय गंगवाल, संयोजक पीयूष जैन, कार्यकारिणी सदस्य यशवंत जैन, मुनिया सोगानी, स्नेहलता गंगवाल, बबिता बडजात्या सहित अन्य सदस्यों ने उपस्थित होकर सेवा कार्य में अपना योगदान दिया। जेएसजी नॉर्थ द्वारा आयोजित यह सेवा कार्य जनकल्याण और समाज सेवा के प्रति संस्था की निरंतर प्रतिबद्धता का सराहनीय प्रयास रहा। सेवा ही सच्चा धर्म है।

"लैंगिक न्याय समावेशी समाज की कुंजी": लैंगिक संवेदनशीलता पर कार्यशाला

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान विश्वविद्यालय महिला संस्था (रूवा) एवं निम्स विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) के संयुक्त तत्वावधान में ह्वसमावेशी समाज के लिए लैंगिक समझ एवं लैंगिक संवेदनशीलता को बढ़ावा देनाह्व विषय पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लैंगिक समानता, महिला सशक्तीकरण, सुरक्षित एवं गरिमापूर्ण जीवन तथा निर्णय-निर्माण में महिलाओं की सार्थक भागीदारी को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. दीपिका वार्ष्णेय ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में लैंगिक समानता एवं संवेदनशील व्यवहार को बढ़ावा देना केवल सामाजिक आवश्यकता नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने विद्यार्थियों और शिक्षकों से समानता, सम्मान, गरिमा और संवेदनशीलता पर आधारित वातावरण के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में स्वागत संबोधन डॉ. निर्मला सिंह ने दिया। इस अवसर पर उप-प्राचार्या प्रो. निशी फातिमा, डॉ. नदीम लुकमान एवं डॉ. गरिमा यादव सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी और संकाय सदस्य उपस्थित रहे। कार्यशाला में रूवा की पूर्व अध्यक्ष डॉ. शशि लता पुरी तथा संयुक्त सचिव डॉ. प्रिया ने लैंगिक भूमिकाओं, लैंगिक पूर्वाग्रह, भेदभाव, पितृसत्तात्मक सोच और संवेदनशील व्यवहार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर शोधपरक व्याख्यान दिए। डॉ. शशि लता पुरी ने रूवा तथा महिला सलाह एवं सुरक्षा केंद्र की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए संवेदनशील मामलों में उपलब्ध सहायता, परामर्श एवं समाधान की प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण के निर्माण के लिए संस्थागत सहयोग और प्रभावी सहायता तंत्र अत्यंत आवश्यक हैं। डॉ. प्रिया ने पितृसत्तात्मक सोच एवं लैंगिक भेदभाव के सामाजिक प्रभावों का विश्लेषण करते हुए कहा कि लैंगिक समानता की वास्तविक शुरूआत मानसिकता में बदलाव से होती है। उन्होंने प्रतिभागियों से अपने भीतर मौजूद लैंगिक पूर्वाग्रहों और विशेषाधिकारों को पहचानने तथा समानता एवं संवेदनशीलता को अपने व्यवहार का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर बढ़ती महिला-विरोधी मानसिकता और सामग्री के प्रति भी सजग रहने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि समाज में बदलाव की दिखाई दे रही आकांक्षा सकारात्मक परिवर्तन का संकेत है। उन्होंने जोर देकर कहा कि "हमें अपने हृदय और सोच में परिवर्तन लाना होगा तथा किसी एक लिंग को मिलने वाले अनुचित लाभ की मानसिकता को छोड़ना होगा।" उनका संदेश था "लैंगिक न्याय ही समावेशी समाज की कुंजी है।" कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को लैंगिक जागरूकता, संवेदनशीलता तथा व्यवहारिक दृष्टिकोण के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराया गया। संवाद एवं गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को आत्ममंथन करने तथा सुरक्षित, सम्मानजनक, समानतापूर्ण एवं समावेशी शैक्षणिक वातावरण के निर्माण में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में यह संदेश प्रमुखता से सामने आया कि लैंगिक न्याय केवल महिलाओं का विषय नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। नीतिगत प्रयासों के साथ-साथ व्यक्तिगत सोच, व्यवहार और सामाजिक दृष्टिकोण में सकारात्मक परिवर्तन लाना भी आवश्यक है। विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने कार्यक्रम को सार्थक, संवादात्मक और प्रभावशाली बनाया।

राजनीति

मैदान मिले तो ओलंपिक तक उड़ान भर लें गांव की लड़कियां

रक्षा शर्मा

लूणकरणसर से करीब 20 किमी दूर बसे कुजटी गांव की 17 वर्षीय उर्मिला कबड्डी खेलना चाहती है। उसका सपना अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर देश के लिए पदक जीतना है। लेकिन उसके सामने सवाल यह नहीं कि वह कितना बड़ा सपना देखती है, बल्कि यह है कि उस सपने को आगे बढ़ाने के लिए उसके पास कितनी सुविधाएं हैं। गांव में लड़कियों के लिए नियमित खेल मैदान नहीं है। स्कूल का मैदान जरूर है, लेकिन पढ़ाई और अन्य गतिविधियों के बीच उर्मिला को अभ्यास के लिए बहुत कम समय मिल पाता है। घर लौटने के बाद घरेलू काम उसकी प्राथमिकता बन जाते हैं। ऐसे में खेल के लिए समय निकालना उसके लिए आसान नहीं है। परिवार और समाज की सोच भी उसके रास्ते को आसान नहीं बनाती। उर्मिला के भविष्य को शादी, घर-परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियों से जोड़कर देखा जाता है। इसलिए खेल के बजाय घरेलू काम सीखने पर अधिक ध्यान देने की अपेक्षा की जाती है। उर्मिला की कहानी केवल एक लड़की के सपने और संघर्ष की कहानी नहीं, बल्कि यह सवाल भी है कि गांवों में लड़कियों को अपनी पसंद का खेल खेलने और उसमें आगे बढ़ने के कितने अवसर मिलते हैं। करीब 2500 की आबादी और लगभग 400 घरों वाले कुजटी गांव में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। यहां साक्षरता दर लगभग 56 प्रतिशत है। पुरुषों की साक्षरता 72 प्रतिशत, जबकि महिलाओं की केवल 40 प्रतिशत है। यह अंतर शिक्षा तक सीमित नहीं है। खेल और अन्य अवसरों तक पहुंच में भी असमानता दिखाई देती है। घंटों मैदान में खेलना सामान्य माना जाता है, जबकि लड़कियों के खेलने पर घर के काम, पढ़ाई, सुरक्षा और भविष्य को लेकर सवाल उठने लगते हैं। उर्मिला के माता-पिता की सोच को केवल व्यक्तिगत सोच मानकर खारिज नहीं किया जा सकता। यह उस सामाजिक व्यवस्था का हिस्सा है, जिसमें लड़कियों के भविष्य को बचपन से ही घरेलू जिम्मेदारियों से जोड़ दिया जाता है। ऐसे माहौल में अपने सपनों के लिए समय मांगना भी कई बार अतिरिक्त मांग जैसा लगता है।

संपादकीय

राजनीतिक दल और जेन जी वोटर

भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में जेन जी वोटर अब एक निर्णायक शक्ति के रूप में उभर रहे हैं। 1997 से 2012 के बीच जन्मी यह पीढ़ी सोच, प्राथमिकताओं और संवाद के तरीकों में भी पिछली पीढ़ियों से अलग है। राजनीतिक दलों के लिए यह वर्ग अब केवल एक वोट बैंक नहीं, बल्कि नई राजनीति की दिशा तय करने वाली चुनौती और अवसर दोनों है। जेन जी वोटर पारंपरिक रैलियों, पोस्टरों और लंबे-चौड़े वादों से आसानी से प्रभावित नहीं होते। वे सोशल मीडिया, शॉर्ट वीडियो और सीधे संवाद के जरिए राजनीतिक दलों को परखते हैं। बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा की गुणवत्ता, जलवायु परिवर्तन, मानसिक स्वास्थ्य और डिजिटल अधिकार उनके प्रमुख सरोकारों में शामिल हैं। वे जाति और धर्म के पारंपरिक समीकरणों से आगे बढ़कर पारदर्शिता, जवाबदेही और परिणाम चाहते हैं। भाजपा ने पिछले कुछ वर्षों में जेन जी तक पहुंच बनाने के लिए डिजिटल अभियानों को प्राथमिकता दी है। युवाओं के लिए स्टार्टअप, कौशल विकास और रोजगार से जुड़ी योजनाओं के साथ सोशल मीडिया पर सक्रियता उसकी रणनीति का हिस्सा रही है। कांग्रेस भी युवा चेहरों और नए एजेंडे के जरिए इस वर्ग में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही है। आम आदमी पार्टी और कई क्षेत्रीय दल सोशल मीडिया प्रभावशाली लोगों तथा स्थानीय मुद्दों के माध्यम से युवाओं तक पहुंच बना रहे हैं। हालांकि, केवल ऐप, रील्स या आकर्षक डिजिटल अभियान पर्याप्त नहीं हैं। जेन जी दिखावे और वास्तविक काम के बीच का अंतर जल्दी पहचान लेती है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि अधिकांश राजनीतिक दल अभी भी इस पीढ़ी को पुरानी राजनीतिक सोच के नजरिए से देखते हैं। उन्हें ''युवा शक्ति'' कहकर संबोधित करना आसान है, लेकिन नौकरी की सुरक्षा, महंगी शिक्षा, शिक्षा ऋण, प्रदूषण और ऑनलाइन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे सवालों पर ठोस नीतियां बनाना कठिन है। जेन जी केवल वोट देने तक सीमित नहीं रहना चाहती। वह राजनीतिक भागीदारी, दलों के भीतर लोकतंत्र, युवा नेतृत्व और नीति निर्माण में अपनी आवाज चाहती है। 2024 के लोकसभा चुनाव और उसके बाद हुए विधानसभा चुनावों में युवा मतदाताओं की भूमिका कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण रही। सोशल मीडिया पर हुई बहसों और डिजिटल अभियानों ने चुनावी मुद्दों को प्रभावित किया तथा राजनीतिक संवाद के तरीके बदले। 2029 के लोकसभा चुनाव की तैयारी के बीच राजनीतिक दलों के लिए यह संकेत स्पष्ट है कि जेन जी को नजरअंदाज करना जोखिम भरा हो सकता है। इस पीढ़ी को आकर्षित करने का सबसे प्रभावी तरीका ईमानदारी और जवाबदेही है। युवा जानना चाहते हैं कि बेरोजगारी कम करने के लिए क्या ठोस कदम उठाए जाएंगे, शिक्षा को रोजगार से कैसे जोड़ा जाएगा और जलवायु संकट से निपटने की क्या योजना होगी। वे डेटा गोपनीयता, ऑनलाइन हिंसा और फर्जी खबरों जैसे डिजिटल मुद्दों पर भी स्पष्ट नीतियां चाहते हैं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

वोटर आईडी की ताकत

कांतिलाल मांडोत

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारत की चुनावी व्यवस्था और मतदाता पहचान पत्र प्रणाली की सार्वजनिक सराहना केवल दो देशों की चुनावी प्रणालियों की तुलना नहीं है, बल्कि यह भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय स्वीकार्यता के रूप में भी देखी जा सकती है। व्यापार, टैरिफ और अन्य मुद्दों पर भारत-अमेरिका के बीच मतभेदों के बावजूद ट्रम्प का भारतीय वोटर आईडी का उदाहरण देकर अमेरिका में भी सख्त चुनावी पहचान व्यवस्था की वकालत करना महत्वपूर्ण राजनीतिक संदेश देता है। ट्रम्प ने भारत की चुनाव प्रक्रिया का उल्लेख करते हुए सवाल उठाया कि जब भारत में मतदाताओं की पहचान के लिए फोटो पहचान पत्र की व्यवस्था है तो अमेरिका में वैध फोटो आईडी के बिना मतदान की अनुमति क्यों होनी चाहिए। उन्होंने अमेरिकी संसद से ''सेव अमेरिका एक्ट'' पारित करने की अपील करते हुए चुनाव में केवल अमेरिकी नागरिकों के मतदान के अधिकार पर जोर दिया। इससे अमेरिका में मतदाता पहचान और नागरिकता का मुद्दा एक बार फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में आ गया है। चुनाव आयोग ने 1990 के दशक में फोटो पहचान पत्र उपलब्ध कराने की दिशा में तेजी से काम किया और 1994 से इलेक्ट्रोरल फोटो आइडेंटिटी कार्ड यानी ईपीआईसी व्यवस्था को विस्तार दिया। बाद में डिजिटल तकनीक के साथ ई-ईपीआईसी की सुविधा भी शुरू हुई। इसका उद्देश्य मतदाता की पहचान को अधिक व्यवस्थित और विश्वसनीय बनाना है। भारत जैसे विशाल और विविध देश में चुनाव कराना अपने आप में बड़ी चुनौती है। करोड़ों मतदाता, अलग-अलग भाषाएं, भौगोलिक परिस्थितियां और दूरदराज के इलाकों तक मतदान केंद्रों की पहुंच चुनावी प्रक्रिया को जटिल बनाती है। इसके बावजूद चुनाव आयोग मतदाता सूची, पहचान और मतदान प्रक्रिया को व्यवस्थित करने के लिए लगातार प्रयास करता रहा है। भारत में मतदान के लिए मतदाता पहचान पत्र महत्वपूर्ण दस्तावेज है, हालांकि निर्धारित नियमों के तहत अन्य स्वीकृत पहचान दस्तावेजों का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसका मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मतदान करने वाला व्यक्ति वही हो, जिसका नाम मतदाता सूची में दर्ज है। अमेरिका की चुनाव व्यवस्था भारत से काफी अलग है। वहां चुनाव संचालन में राज्यों की महत्वपूर्ण भूमिका है और मतदाता पहचान से जुड़े नियम भी राज्य के अनुसार अलग-अलग हैं। कुछ राज्यों में फोटो आईडी की आवश्यकता अधिक सख्त है, जबकि कुछ राज्यों में अन्य पहचान विकल्प उपलब्ध हैं। इसी अंतर को लेकर अमेरिका में लंबे समय से राजनीतिक बहस चल रही है। ट्रम्प जिस ''सेव अमेरिका एक्ट'' की वकालत कर रहे हैं, उसमें मतदाता पंजीकरण, नागरिकता के प्रमाण और मतदान के समय पहचान से जुड़े नियमों को सख्त करने का प्रस्ताव है। समर्थकों का तर्क है कि इससे चुनावी प्रक्रिया पर जनता का भरोसा बढ़ेगा। विरोधियों का कहना है कि अत्यधिक दस्तावेजी शर्तें उन पात्र अमेरिकी नागरिकों के लिए मतदान कठिन बना सकती हैं, जिनके पास आवश्यक दस्तावेज आसानी से उपलब्ध नहीं हैं। यहीं भारत और अमेरिका के बीच मूल अंतर सामने आता है। भारत में चुनाव आयोग एक केंद्रीय संवैधानिक संस्था के रूप में लोकसभा और विधानसभा चुनावों की निगरानी करता है, जबकि अमेरिका में चुनावी प्रशासन का बड़ा हिस्सा राज्यों के अधिकार क्षेत्र में आता है। इसलिए वहां समान राष्ट्रीय मतदाता पहचान व्यवस्था लागू करना राजनीतिक और प्रशासनिक चुनौती है।

सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान में जैन सोशल ग्रुप कैपिटल की सार्थक पहल

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप कैपिटल की ओर से सेवा सप्ताह के अंतर्गत शुक्रवार, 21 अगस्त को प्रातः 11 बजे रामबाग सर्किल पर सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य वाहन चालकों एवं आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना तथा सुरक्षित यातायात के लिए आवश्यक सावधानियों का संदेश जन-जन तक पहुंचाना था। इस अवसर पर जैन सोशल ग्रुप कैपिटल के दंपती सदस्यों ने सड़क सुरक्षा से संबंधित बैनर एवं पोस्टरों के माध्यम से आमजन को जागरूक किया। अभियान के दौरान रेड लाइट पर निर्धारित स्टॉप लाइन पर वाहन रोकने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, हेलमेट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने, पैदल यात्रियों को जेब्रा क्रॉसिंग पर प्राथमिकता देने, एम्बुलेंस एवं फायर ब्रिगेड जैसे आपातकालीन वाहनों को रास्ता देने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने, शराब के नशे में वाहन नहीं चलाने तथा यातायात नियमों का पूर्ण पालन करने जैसे महत्वपूर्ण संदेश दिए गए। कार्यक्रम में यातायात पुलिस का विशेष सहयोग रहा। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त यातायात दक्षिण श्रीमती सुनीता मीणा, एसीपी/डीवाईएसपी ट्रैफिक मुकेश कुमार, ट्रैफिक इंस्पेक्टर श्रीमती इंद्रा अहलावत, ट्रैफिक एजुकेशन इंस्पेक्टर राम कुमार मीणा, हेड कांस्टेबल प्रेम सिंह, जयवीर एवं सीताराम सहित यातायात पुलिस के अनेक अधिकारियों ने अभियान में सहभागिता निभाई। जैन सोशल ग्रुप कैपिटल के अध्यक्ष राज कुमार काला ने अभियान में उपस्थित सभी पुलिस अधिकारियों, यातायात पुलिस टीम, नॉर्दर्न रीजन चेयरमैन राजीव पाटनी, संस्थापक अध्यक्ष सुभाषजी एवं शकुंतला पांड्या, दंपती सदस्यों तथा आमजन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल यातायात पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। थोड़ी सी सावधानी और यातायात नियमों का पालन किसी के जीवन को बचा सकता है। उन्होंने कहा कि जैन सोशल ग्रुप कैपिटल भविष्य में भी जनसेवा, जनजागरूकता एवं समाजहित से जुड़े अभियानों में निरंतर सक्रिय सहभागिता निभाता रहेगा। कार्यक्रम के अंत में सभी सहभागियों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई। आभार व्यक्त करते हुए अभियान का समापन किया गया।

जैन सोशल ग्रुप कैपिटल का संदेश

''सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा–यातायात नियमों का पालन करें और स्वयं भी सुरक्षित रहें, दूसरों को भी सुरक्षित रखें।''

बेटियां ससुराल को स्वर्ग बना लें, तीर्थ पर जाने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी : आचार्य पुलकसागर

बेटियों को यह मत सिखाएं कि ससुराल में दबना नहीं, उन्हें समझाएं कि अब वहीं तुम्हारा घर है

चित्रकूटधाम में ज्ञान गंगा महोत्सव में पुलक वाणी सुनने उमड़ रहे भीलवाड़ावासी

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

लड़का एक जिंदगी में एक जीवन जीता है, जबकि लड़कियां एक जिंदगी में दो जीवन जीती हैं। एक जीवन मायके में और दूसरा ससुराल में। जो बेटियां ससुराल में मायके के अंदाज में जीती हैं, उनका जीवन बिगड़ जाता है। बेटियां अपने ससुराल को सुंदर बनाने और उसे स्वर्ग बनाने की ठान लें तो वह स्थान तीर्थ बन जाएगा और उन्हें सम्मेदशिखर या वैष्णोदेवी जैसे तीर्थों पर जाने की जरूरत ही नहीं रहेगी। ये विचार भीलवाड़ा में पहली बार चातुर्मास कर रहे राष्ट्र संत आचार्य पुलकसागर महाराज ने शुक्रवार को श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट, मैन सेक्टर, शास्त्रीनगर के तत्वावधान में सकल दिगंबर जैन समाज की ओर से चित्रकूटधाम में आयोजित ज्ञान गंगा महोत्सव में परिवार में बेटियों के महत्व पर प्रवचन देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि बेटियों को ससुराल को स्वर्ग बनाना है तो अहंकार कम करना होगा। माता-पिता को भी उस सोच का त्याग करना होगा, जिसमें बेटियों से कहा जाता है कि ससुराल में किसी से डरना या दबना मत। इस सोच से बेटियों का घर उजड़ रहा है और ऐसा होने पर माता-पिता भी चैन से नहीं रह पाएंगे। उन्हें समझाएं कि शादी के बाद अब वहीं उनका घर है। विवाहित बेटियों को भी ध्यान रखना चाहिए कि ससुराल की समस्याओं का रोना मायके में रोने से इज्जत कम होगी। मान-सम्मान बनाए रखना है तो वहां की समस्याओं का समाधान वहीं ढूंढना होगा। बेटियां समस्याओं को अपनी ताकत बनाना सीखें। आचार्यश्री ने कहा कि जिस संस्कृति में यह कहा जाता है कि बेटी की डोली पीहर से और अर्थी ससुराल से उठती है, वहां उसे तलाक के लिए मत उकसाओ। जिसे सभी में खराबी नजर आए, समझ लेना कि उसमें ही खराबी है। सास-बहू एक-दूसरे को पराया मानने के बजाय मां-बेटी के समान प्यार करें। सास बहू को इतना प्यार दे कि वह मायके के मोबाइल नंबर भूल जाए, फिर घर को स्वर्ग बनने में देर नहीं लगेगी। उन्होंने कहा कि बेटियां ससुराल को अपना मानेंगी तो ससुराल वाले भी उन्हें पलकों पर रखेंगे। शादी के बाद बेटियों का सम्मान मायके में नहीं, ससुराल में होता है। आचार्य पुलकसागर महाराज ने कहा कि पैसे से अधिक महत्व संस्कारों का है और संस्कार हमारे आचरण, खान-पान और जीवनशैली में दिखाई देने चाहिए। बच्चों को सुविधाएं देने से अधिक जरूरी उन्हें संस्कार देना है। बच्चों से लाड़-प्यार करें, लेकिन इतना भी नहीं कि उनका भविष्य ही बर्बाद हो जाए। उन्होंने कहा कि बेटियां खेलने की चीज नहीं हैं, उन्हें खिलौना बनाकर न रखें। बचपन से उन्हें देवी का सम्मान देंगे तो वे लोगों के हृदय में स्थान बनाएंगी। बेटियों को अच्छी शिक्षा प्रदान करें, लेकिन इतना भी आधुनिक न बनाएं कि वे 30 वर्ष की हो जाएं और विवाह नहीं करना चाहें। उम्र जितनी अधिक होती जाएगी, ससुराल में सामंजस्य स्थापित करना उतना ही मुश्किल होता जाएगा। उज्ज्वल भविष्य डिग्री से नहीं, अच्छे चरित्र और व्यवहार से बनता है। आचार्यश्री ने कहा कि हम खुद को छोड़कर सबको बदलना चाहते हैं, इसलिए कोई नहीं बदलता। कोई किसी को नहीं बदल सकता, जब तक वह स्वयं बदलना न चाहे। खुद को बदल लिया तो परिवार के साथ जीने में आनंद आने लगेगा। जीवन जीने का थोड़ा-सा नजरिया बदल लिया जाए तो दुखी जीवन भी सुखी बन सकता है। आचार्य पुलकसागर ने कहा कि जिंदगी का गणित उलटा होता है। जो दुनिया से नजर हटा लेता है, उस पर दुनिया की नजर टिक जाती है। जिंदगी को संवार लें तो मौत भी संवर जाएगी। पलकें झुकाकर जिएं, दुनिया आपको पलकों पर रखेगी। तीर्थंकरों की प्रतिमाओं को देख लें, उनकी पलकें झुकी हुई हैं, इसलिए दुनिया ने उन्हें पलकों पर बिठा लिया है। हम अपने आज को संवार लें तो कल स्वतः संवर जाएगा। वास्तु सुधारने से नहीं, मन को सुधारने से घर अच्छा बनेगा। प्रवचन के प्रारंभ में दीप प्रज्वलन, आचार्यश्री के पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट का सौभाग्य प्रेमचंद, जम्बूकुमार, ललित एवं मनोज भैसा परिवार ने प्राप्त किया। सौभाग्यशाली परिवार एवं अतिथियों का स्वागत श्री पुलकसागर चातुर्मास समिति के अध्यक्ष प्रवीण चौधरी, संयोजक मनीष शाह एवं सह-संयोजक लोकेश अजमेरा ने किया। आरके-आरसी महिला मंडल की सदस्यों ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। संचालन चातुर्मास समिति के महामंत्री जयकुमार पाटनी ने किया। ज्ञान की गंगा में डुबकी लगाने के लिए भीलवाड़ा के विभिन्न क्षेत्रों से सर्व समाज के हजारों लोग पहुंच रहे हैं। ज्ञान गंगा महोत्सव के तहत 30 अगस्त तक प्रतिदिन सुबह 8:30 से 10 बजे तक चित्रकूटधाम में प्रवचन होंगे।

जैन सोश्यल ग्रुप मानसरोवर की तीन दिवसीय धार्मिक यात्रा

अतिशय क्षेत्र और सिद्ध क्षेत्र के दर्शन का मिला सुअवसर

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानव एवं समाज सेवा के लिए समर्पित जैन सोश्यल ग्रुप मानसरोवर के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय धार्मिक यात्रा दल शुक्रवार को मीरामार्ग स्थित आदिनाथ भवन से जयकारों के बीच रवाना हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। ग्रुप अध्यक्ष विनोद जैन शास्त्री ने बताया कि 21 से 23 अगस्त तक आयोजित इस धार्मिक यात्रा में ज्ञान तीर्थ मुरैना, टिकटोली, अतिशय क्षेत्र ललितपुर, सिद्ध क्षेत्र पावागिरि, देवगढ़, करगुआंजी सहित अन्य तीर्थ क्षेत्रों के दर्शन एवं वंदना का लाभ लिया जाएगा। यात्रा दल में बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालु शामिल हैं। महामंत्री सुनील जैन ने बताया कि शुक्रवार को प्रातः 6:30 बजे जयपुर से रवाना होकर यात्रा दल टिकटोली तीर्थ पहुंचा। यहां शांतिनाथ भगवान के मंदिर में दर्शन एवं पूजन का लाभ लिया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने समीप स्थित सुंदर झरने का आनंद लिया। रात्रि विश्राम मुरैना स्थित श्री ज्ञानसागर तीर्थ में होगा। शनिवार, 22 अगस्त को प्रातः ज्ञान तीर्थ में अभिषेक, शांतिधारा एवं नित्य नियम पूजा के बाद सुबह 7 बजे देवगढ़ के लिए प्रस्थान किया जाएगा। मार्ग में करगुआंजी (झांसी) अतिशय क्षेत्र के दर्शन का लाभ लेते हुए यात्रा दल देवगढ़ पहुंचेगा। यहां मंदिरों की वंदना एवं आरती के बाद रात्रि करीब 7:30 बजे ललितपुर पहुंचकर रात्रि विश्राम किया जाएगा। यात्रा के संयोजक डॉ. सुरेश जैन एवं सौभाग मल जैन तथा ग्रुप के कोषाध्यक्ष अरुण जैन ने बताया कि रविवार, 23 अगस्त को सुबह नाश्ता करने के बाद यात्रा दल ललितपुर से सिद्ध क्षेत्र पावागिरि एवं नांवा गढ़ के लिए रवाना होगा। पावागिरि में दर्शन एवं पूजा के बाद सुबह का भोजन किया जाएगा। इसके पश्चात प्रातः 11 बजे जयपुर के लिए प्रस्थान होगा।

सुबोध पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों के लिए ध्यान एवं प्रेरणात्मक सत्र आयोजित

ध्यान एकाग्रता बढ़ाने, तनाव कम करने तथा जीवन में सफलता प्राप्त करने में सहायक है...

जयपुर. शाबाश इंडिया

सांगानेर स्थित सुबोध पब्लिक स्कूल, एयरपोर्ट के पास, में 19 अगस्त को कक्षा 3 से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए ब्रह्माकुमारीज की ओर से ध्यान एवं प्रेरणात्मक सत्र का आयोजन किया गया। प्रार्थना सभा में आयोजित इस ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज की वरिष्ठ बहन आशा ने विद्यार्थियों को प्रेरणादायी विचारों से संबोधित किया। बहन आशा ने दैनिक जीवन में सकारात्मक सोच एवं ध्यान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ध्यान एकाग्रता बढ़ाने, तनाव कम करने तथा जीवन में सफलता प्राप्त करने में सहायक है। उन्होंने विद्यार्थियों को मानसिक शांति और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए नियमित ध्यान को जीवनशैली का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने आज के समय की एक महत्वपूर्ण समस्या पर चर्चा करते हुए बच्चों एवं युवाओं में बढ़ती नशे की लत तथा विशेष रूप से मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग के दुष्प्रभावों के प्रति विद्यार्थियों को सजग किया। उन्होंने मोबाइल के संतुलित उपयोग और नशे जैसी बुरी आदतों से दूर रहने के लिए विद्यार्थियों के साथ व्यावहारिक उपाय एवं तकनीकें भी साझा कीं। विद्यार्थियों में आत्मविश्वास एवं सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बहन आशा ने सभी बच्चों को स्वयं को सर्वश्रेष्ठ मानने तथा अच्छा विद्यार्थी और अच्छा इंसान बनने का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने अपने बारे में सदैव सकारात्मक सोच रखने की शपथ ली। सत्र अत्यंत संवादात्मक एवं प्रभावशाली रहा। प्रधानाचार्या सुश्री आशी श्रीवास्तव ने ब्रह्माकुमारीज टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन शांतिपूर्ण एवं आत्मिक ध्यान के अनुभव के साथ हुआ।

श्री किशोरीलाल धर्मशाला में सजा हरियाली तीज का रंग

अग्रवाल महिला महासभा के आयोजन में महिलाओं ने उत्साह से मनाया पर्व

अंबाह. शाबाश इंडिया

अग्रवाल महिला महासभा अंबाह के तत्वावधान में शुक्रवार को श्री किशोरीलाल धर्मशाला में हरियाली तीज महोत्सव उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होकर पर्व की खुशियां साझा कीं। इस दौरान विभिन्न सांस्कृतिक, मनोरंजक एवं खेल गतिविधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम में बबली माता, गिरीश मिश्रा सहित अन्य लोग मौजूद रहे। बबली माता ने तीज के धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व महिलाओं की आस्था, उत्साह और पारिवारिक प्रेम से जुड़ा है। सावन की हरियाली के बीच मनाया जाने वाला यह पर्व प्रकृति प्रेम और भारतीय परंपराओं का संदेश देता है। महिलाओं ने तीज से जुड़े गीत प्रस्तुत किए तथा प्रश्नोत्तरी और विभिन्न खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। बबली, हेमलता, संगीता, शिखा और शिल्पी सहित महिलाओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने एक-दूसरे को तीज की शुभकामनाएं दीं। आयोजकों ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री से विप्र चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के प्रतिनिधिमंडल की आत्मीय भेंट

जयपुर। शाबाश इंडिया

राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा से जयपुर में विप्र चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विजय बासोतिया के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने विप्र फाउंडेशन एवं उसके आनुषंगिक संगठनों द्वारा शिक्षा, कौशल विकास और समाजोत्थान के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने इन प्रयासों के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को विप्र चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की विभिन्न गतिविधियों एवं भावी योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही, श्री परशुराम ज्ञानपीठ में विप्र चैम्बर द्वारा संचालित कौशल विकास केंद्र की गतिविधियों और उपलब्धियों से भी अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल में डॉ. विजय बासोतिया, श्री सतीश शर्मा, श्री नवीन शर्मा, श्री महेश शर्मा, डॉ. गौरव लाटा एवं श्री बीके शर्मा शामिल रहे।

जेब में कैमरा, नजर में कहानी:

छात्राओं ने सीखे मोबाईल फोटोग्राफ़ी के प्रोफेशनल गुर

फ्रेंम से आगे देखने की कला: फोटोग्राफी कार्यशाला में छात्राओं ने रचनात्मकता को दी नई उड़ान

जयपुर . शाबाश इंडिया

तस्वीर खींचना आसान है, लेकिन किसी क्षण को इस तरह देखना कि वह कहानी बन जाए–यही फोटोग्राफी की असली कला है। इसी सोच के साथ गांधी सर्कल स्थित राजकीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज, जयपुर में कॉमर्शियल आर्ट विभाग की छात्राओं और स्टाफ के लिए आयोजित एक दिवसीय फोटोग्राफी कार्यशाला रचनात्मक अनुभव में बदल गई। उदयपुर से आए वरिष्ठ फोटो पत्रकार राकेश शर्मा ''राजदीप'' ने कार्यशाला में कैमरे से अधिक ''नजर'' को महत्व देते हुए छात्राओं को बताया कि प्रभावशाली तस्वीर उपकरण से नहीं, देखने की संवेदनशीलता से जन्म लेती है। उन्होंने प्रकाश की दिशा, सही एंगल, फ्रेमिंग, कम्पोजिशन, विषय और पृष्ठभूमि के संबंध को उदाहरणों के माध्यम से समझाया। उनका जोर इस बात पर रहा कि फोटोग्राफी में सही क्षण पहचानना तकनीक जितना ही जरूरी है।

कॉलेज प्रिंसिपल शालिनी गुप्ता ने बताया कि कार्यशाला का सबसे रोचक हिस्सा ऑन द स्पॉट मोबाइल फोटोग्राफी रहा। राजदीप ने बताया कि आज स्मार्टफोन केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि जेब में रखा एक सक्षम कैमरा भी है। थोड़ी समझ और अभ्यास के साथ उससे भी प्रोफेशनल प्रभाव वाली तस्वीरें बनाई जा सकती हैं। छात्राओं ने फोकस, एक्सपोजर, नैचुरल लाइट, पोर्ट्रेट मोड, मोबाइल कैमरा सेटिंग्स, स्टोरीटेलिंग और बेसिक एडिटिंग से जुड़े व्यावहारिक गुर सीखे। सीखी हुई बातों को तुरंत आजमाने के लिए ऑन द स्पॉट फोटो कॉन्टेस्ट ने कार्यशाला में उत्साह और बढ़ा दिया।

छात्राओं ने परिसर और आसपास के सामान्य दृश्यों में भी नए फ्रेम, भाव और कहानियां खोजीं। प्रतियोगिता में ग्रुप शटर स्क्वाड प्रथम, मस्ती का तूफान द्वितीय और चिक क्लिक्स तृतीय रहे वहीं, जस्ट चिल और सीडीडीएम को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।
इस दौरान विभागाध्यक्ष संजुक्ता, डॉ. सुरेन्द्र सोनी, वरिष्ठ प्रवक्ता महेश चंद्र शर्मा, अनुराग व्यास, नीतिका बागपतिया, रीता पुरोहित सहित अन्य विभागीय सदस्यों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।
कार्यशाला का सार यही रहा कि एक अच्छी तस्वीर के लिए महंगा कैमरा जरूरी नहीं–जरूरी है जागरूक आंख, संवेदनशील मन और उस क्षण को पहचानने की कला, जिसे बाकी दुनिया अक्सर अनदेखा कर देती है।

> एक अच्छी तस्वीर के लिए महंगा कैमरा जरूरी नहीं है...
> जरूरी है जागरूक आंख, संवेदनशील मन और उस क्षण को पहचानने की कला।

रिपोर्ट/फोटो : डॉ. सुरेन्द्र सोनी

दिगंबर जैन समाज ने मनाया पार्श्वनाथ मोक्ष कल्याणक पर्व

नन्हीं बालिकाओं ने रखा निर्जला उपवास, महिला मंडल ने किया सम्मान

चित्तौड़गढ़ | शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन समाज की ओर से 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जैन मंदिरों में विशेष धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। सुबह सभी जिनालयों में जलाभिषेक, शांतिधारा एवं विधान के बाद भगवान पार्श्वनाथ को निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। महिला महासमिति अध्यक्ष मंजु सेठी ने बताया कि पर्व के विशेष अवसर पर नन्हीं बालिकाओं ने निर्जला उपवास रखा। यह व्रत कुंवारी कन्याओं द्वारा सात वर्षों तक विधि-विधानपूर्वक किया जाता है, जिससे कर्मों की निर्जरा होती है। संरक्षिका मनोरमा अजमेरा ने बताया कि उपवास रखने वाली बालिकाओं के उत्साहवर्धन के लिए महिला मंडल की ओर से मधुवन स्थित आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में सामूहिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। दर्शना पाटनी, रीवा अजमेरा, तिथि अजमेरा, वंशिका जैन, पाखी पाटनी, वर्तिका जैन एवं

अक्षया सहित निर्जला उपवास करने वाली बालिकाओं को महिला मंडल की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। पुण्यार्जक परिवार देवेंद्र-संगीता जैन की ओर से भी बालिकाओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। आयोजकों ने कहा कि ऐसे आयोजनों से बालिकाओं में कम उम्र से ही धर्म एवं संस्कारों के प्रति रुचि विकसित होती है। इस अवसर पर सकल दिगंबर जैन समाज के महामंत्री डॉ. ज्ञान सागर जैन, मधुवन मंदिर कमेटी अध्यक्ष महावीर रामावत, राजेंद्र पाटनी, ओमप्रकाश अजमेरा, सुनील पाटनी, संजय वैद, राजेंद्र गंगवाल, मुकेश गंगवाल, महिला मंडल महामंत्री रंजना रामावत, प्रभा गंगवाल, अंतिमा गंगवाल, आशा सिंघई, रूपाली अजमेरा, सोनल गोधा, नीलम पाटनी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं बालिकाएं उपस्थित रहीं।

अपना घर आश्रम में जैन सोशल ग्रुप कैपिटल ने कराया भोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप कैपिटल परिवार की ओर से सेवा सप्ताह के अंतर्गत गुरुवार, 20 अगस्त को शाम 6:30 बजे जामडोली स्थित अपना घर आश्रम में सेवा कार्य किया गया। इस दौरान आश्रम में निवास कर रहे करीब 203 प्रभुजनों को भोजन प्रसादी कराई गई। यह सेवा कैपिटल के संस्थापक अध्यक्ष सुभाषजी एवं शकुंतला पांडे के सहयोग से कराई गई। इस अवसर पर कैपिटल अध्यक्ष राजकुमार काला, संयुक्त सचिव सुधीरजी, पूर्व अध्यक्ष गंगवाल, नवीन कार्यकारिणी सदस्य विनोद एवं सुधा जैन, मंजू गंगवाल, विनीता, राजकुमार सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। आश्रम की सेवा व्यवस्था के बारे में बताया गया कि यहां करीब 203 प्रभुजनों को प्रतिदिन सुबह नाश्ता, दोपहर 12 बजे भोजन तथा शाम 6 से 6:30 बजे तक भोजन कराया जाता है। आश्रम में बेसहारा, लावारिस एवं दुर्घटना में घायल लोगों को चिकित्सा और भोजन की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। बताया गया कि अपना घर आश्रम की स्थापना वर्ष 2000 में की गई थी। आश्रम की आजीवन सदस्यता के लिए 11,000 रुपये का शुल्क निर्धारित है। जैन सोशल ग्रुप कैपिटल परिवार ने सेवा कार्य को जनसेवा और मानव कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बताया।

बाढ़ में घायल हथिनी 'जॉयमोती' को एयरलिफ्ट कर वनतारा लाया गया

53 वर्षीय हथिनी को गंभीर चोटें, वनतारा के विशेष अस्पताल में होगा इलाज, इलाज के लिए हाथी को एयरलिफ्ट करने का भारत में अपनी तरह का पहला मामला

जामनगर. शाबाश इंडिया। जुलाई में आई भीषण बाढ़ के दौरान तेज पानी में बहकर गंभीर रूप से घायल हुई 53 वर्षीय हथिनी 'जॉयमोती' को विशेष उपचार के लिए एयरलिफ्ट कर जामनगर स्थित वनतारा लाया गया है। नागालैंड में बाढ़ के पानी में बहने के बाद स्थानीय लोगों और सरकारी एजेंसियों की मदद से उसे बचाया गया था। जॉयमोती के शरीर पर कई गंभीर घाव हैं। उसकी दाहिनी आंख बुरी तरह क्षतिग्रस्त है और पुरानी चोट के कारण पिछले पैर में भी लंगड़ापन है। स्थानीय स्तर पर प्राथमिक उपचार के बावजूद हथिनी की उम्र, गंभीर चोटों और चलने-फिरने में परेशानी को देखते हुए उसे विशेष चिकित्सा सुविधा की आवश्यकता थी। वनतारा में अब उसकी विस्तृत चिकित्सा जांच की जा रही है। आंख सहित अन्य चोटों का विशेषज्ञों की निगरानी में उपचार किया जाएगा। साथ ही उसे आवश्यक पोषण और अन्य जरूरी देखभाल भी उपलब्ध कराई जाएगी। गंभीर रूप से घायल हाथी को अस्पताल में उपचार के लिए विमान से पहुंचाना भारत में अपनी तरह का पहला प्रयास बताया गया है। जॉयमोती को सड़क मार्ग के लंबे और थकाऊ सफर से बचाने के लिए एयरलिफ्ट किया गया। यात्रा के दौरान उसकी सेहत, आराम और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया।

भगवान पार्श्वनाथ के अभिषेक के साथ वार्षिक यात्रा का समापन

मोक्ष कल्याणक दिवस पर वेरूळ जैन तीर्थ में भव्य आयोजन, हजारों श्रद्धालुओं ने किए भगवान पार्श्वनाथ के दर्शन

छत्रपति संभाजीनगर. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस श्रावण सप्तमी के पावन अवसर पर वेरूळ पहाड़ मंदिर में भक्तिभाव और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गुरुकुल से विद्यार्थियों की भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसका समापन पहाड़ मंदिर में हुआ। कार्यक्रम के दौरान भगवान पार्श्वनाथ के अभिषेक एवं पूजन की विभिन्न बोलियां संपन्न हुईं। सौधर्म इंद्र जलाभिषेक, घृताभिषेक, मंगल आरती, शांतिधारा एवं ध्वजारोहण सहित अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जितेंद्र पाटनी ने इंद्र पद का मान प्राप्त किया। पंकज कुमार एवं निरंजन कवडे को जलाभिषेक का सौभाग्य मिला। चतुर्थ कलश अभिषेक का सम्मान वृषभ बांदे, अभिषेक बांदे, कुणाल पहाड़े, तुषार कासलीवाल, पुष्कर वाकळे एवं वर्धमान पांडे को प्राप्त हुआ। महेंद्र चंद्रशेखर ठोले ने घृताभिषेक किया, जबकि पूर्ण कलश अभिषेक मिताली सुकुमार नवले के हस्तों से संपन्न हुआ। महेंद्र कुमार एवं सुमित कुमार ठोले के हस्तों से शांतिधारा की गई। अर्चना फल एवं तीर्थ रक्षा कलश का सम्मान पूनम सुकुमार नवले एवं गुलाबचंद बोराळकर को प्राप्त हुआ। मंगल आरती अनघा संकेत मिश्रीकोटकर ने की। संस्था के महामंत्री प्रेमचंद पाटणी के हस्तों से ध्वजारोहण संपन्न हुआ। भगवान पार्श्वनाथ को निर्वाण लाडू चढ़ाने का सौभाग्य प्रशांत कुमार काला परिवार को प्राप्त हुआ। सर्वौषधि एवं पुष्पमाला का सम्मान लावण्या चेतन पाटणी, सुनील शहा एवं सुमनबाई बबनलाल ललित पाटणी परिवार को प्राप्त हुआ।

मोक्ष मार्ग के नेता और सज्जन पुरुषों को सलाहकार की जरूरत नहीं : मुनि पुंगव सुधासागरजी

इंदौर। शाबाश इंडिया

मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ने कहा कि मोक्ष मार्ग के नेता और सज्जन पुरुषों को किसी सलाहकार की जरूरत नहीं होती। धर्म क्षेत्र में कोई सलाहकार नहीं होता, जबकि राजनीति के नेताओं को सलाहकार की आवश्यकता पड़ती है। धर्मसभा में प्रवचन देते हुए उन्होंने कहा कि आचार्य विद्यासागरजी इस संसार में मोक्ष मार्ग के सबसे बड़े नेता थे। उन्होंने कभी किसी से सलाह नहीं ली, बल्कि जो भी किया, अपनी बुद्धि और विवेक से किया। वे सदैव संसार के सभी जीवों के सुख की कामना करते थे और प्रत्येक जीवात्मा को भगवान मानते थे। उन्होंने गुरु की महत्ता बताते हुए कहा कि गुरु का अर्थ मालिक या स्वामी है। जिसके अभाव में तुम स्वयं को अनाथ और जिसकी उपस्थिति में सनाथ महसूस करो, वही गुरु है। सच्चे मन से जिसे तुम गुरु मान लो, वही तुम्हारा गुरु है। मुनिश्री ने कहा कि व्यक्ति अक्सर अपनों के बीच अपनों से ही धोखा खाता है। उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि दुनिया में ज्ञानचंद, रायचंद और हुकमचंद ये तीन व्यक्ति सबसे ज्यादा खतरनाक हैं, इनसे सावधान रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि शेर कुत्तों से नहीं डरता। दुनिया में कुत्ता ही एक ऐसा जीव है जो अपनी ही जाति के जीव को देखकर गुरार्ता और भौंकता है। जो भाई ही भाई पर गुरार्ता है, उसका स्वभाव भी ऐसा ही होता है। मुनिश्री ने कहा कि जो दूसरों के सुख से सुखी है, वह भिखारी है, जबकि जो अपनी मेहनत की रोटी खाता है, वही सुखी और खुशनसीब है। दुनिया में कहीं भी दुख और विफलता नहीं है। इन शब्दों और इस सोच को अपने मन से निकाल देना चाहिए। **राजेश जैन दद्दू, इंदौर**

आत्मा के वास्तविक स्वरूप को पहचानना ही आत्मकल्याण की दिशा : आचार्यश्री उदारसागर

मुरैना। शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन पंचायती बड़ा मंदिर में चल रही प्रवचन श्रृंखला में चातुर्मासरत आचार्यश्री 108 उदारसागर महाराज ने सम्यग्दर्शन की महत्ता बताते हुए कहा कि सम्यग्दर्शन तीन मूढ़ताओं से रहित और आठ अंगों से युक्त होता है। इसका प्रथम अंग 'निःशंकित' है, अर्थात सच्चे देव, शास्त्र, गुरु और तत्त्वों के प्रति मन में किसी प्रकार का संशय नहीं होना चाहिए। आचार्यश्री ने कहा कि तत्त्वों के वास्तविक स्वरूप का ज्ञान और उनके प्रति दृढ़ श्रद्धा के बिना आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त नहीं हो सकता। जिनवाणी में प्रतिपादित तत्त्वों को 'यही है, ऐसा ही है' के भाव से स्वीकार करना ही निःशंकित सम्यग्दर्शन का आधार है। उन्होंने राजा-मंत्री के दृष्टांत से आत्मा-परमात्मा का स्वरूप समझाया। चाबुक की चोट से उत्पन्न पीड़ा का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि दर्द दिखाई नहीं देता, लेकिन उसका अनुभव करने वाला चेतन तत्व अवश्य है। यही चेतन तत्व आत्मा है। जब आत्मा कर्मों का क्षय कर पूर्ण ज्ञान, दर्शन और अनंत सुख प्राप्त करती है, तब परमात्मा कहलाती है। उन्होंने कहा कि आत्मा शरीर से भिन्न है। देव, शास्त्र और गुरु के प्रति श्रद्धा के साथ अहिंसा एवं धर्म को आचरण में उतारना ही वास्तविक साधना है।

मासखमण के शिखर को स्पर्श कर साध्वी सोम्याश्रीजी ने रचा तप का नया अध्याय

तपस्वी की अनुमोदना का अवसर मिले तो चूकना नहीं, यह सौभाग्य अनंत कर्मनिर्जरा का द्वार खोलता है : युवाचार्यश्री

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। निरंतर 29 दिनों से उपवास की साधना में गतिमान साध्वी सोम्याश्रीजी ने अपने नाम के अनुरूप सौम्यता के साथ मासखमण के शिखर को स्पर्श किया। 30 उपवास पूर्ण होने के अवसर पर शांतिभवन में आयोजित तप अभिनंदन समारोह में श्रमणसंघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने उनकी तप आराधना की अनुमोदना करते हुए कहा कि तपस्वी की अनुमोदना का अवसर मिलना भी अपने आप में सौभाग्य है। किसी तपस्वी की सच्ची अनुमोदना अनंत कर्मनिर्जरा का लाभ देती है। युवाचार्यश्री ने कहा कि किसी धार्मिक आयोजन में प्रभावना मिल जाए तो वह प्रसन्नता का कारण हो सकती है, लेकिन किसी तपस्वी की साधना की अनुमोदना का अवसर मिलना आत्मिक दृष्टि से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। प्रभावना में मिलने वाली वस्तु हमारे पास रह जाती है, जबकि अनुमोदना से होने वाला कर्मनिर्जरा का लाभ आत्मा के साथ चलता है। इसलिए तपस्वी की साधना देखकर केवल प्रशंसा करने के बजाय भीतर से अनुमोदना का भाव जागना चाहिए। जीवन में विनय और मिठास की आवश्यकता समझाते हुए युवाचार्यश्री ने दूध से भरे घड़े में पताशा डालने का प्रसंग सुनाया। उन्होंने कहा कि घड़ा कितना भी भरा हुआ हो, उसमें मिठास रहे तो अहंकार नहीं आता। इसी तरह जीवन में धन, ज्ञान, सामर्थ्य, कुल या प्रतिष्ठा कितनी भी हो, उसके साथ विनय और मधुरता बनी रहनी चाहिए। अहंकार भीतर के सद्गुणों पर परत चढ़ा देता है। जैसे पानी पर काई जम जाने से उसका निर्मल स्वरूप दिखाई नहीं देता, वैसे ही अहंकार की परत हटे बिना भीतर के गुण प्रकट नहीं होते। उन्होंने कहा कि अहंकार केवल धन का नहीं होता। जाति, कुल, रूप, पुण्य, सामर्थ्य और ज्ञान का भी मद हो सकता है। व्यक्ति जब अपनी उपलब्धि और शक्ति को ही अपनी पहचान मानने लगता है, तब विवेक पीछे छूट जाता है। श्रेणिक पुत्र कुणिक के प्रसंग से उन्होंने समझाया कि अपार सामर्थ्य होने के बावजूद उसका मद उसे विनाश से नहीं बचा सका। उपलब्धियों पर प्रसन्न होना गलत नहीं है, लेकिन उपलब्धि जब अहंकार बन जाए तो वही साधना के मार्ग में बाधा बन जाती है। गुरु, धर्म और सत्य के प्रति विनय व्यक्ति को इस मद से बचाए रखती है। युवाचार्यश्री ने ज्ञान के मद को भी गंभीर बाधा बताते हुए कहा कि थोड़ा ज्ञान प्राप्त होते ही यदि व्यक्ति स्वयं को सर्वज्ञ समझने लगे तो वह सत्य को स्वीकार करने की क्षमता खो देता है। ज्ञान का उद्देश्य स्वयं को बड़ा सिद्ध करना नहीं, बल्कि सत्य के सामने झुकना है। एकाग्रता की बात समझाते हुए उन्होंने कहा कि मनुष्य कई बार एक साथ अनेक कार्य करने का भ्रम पालता है। प्रवचन सुनते हुए दूसरी साधना में मन लगाना वास्तविक एकाग्रता नहीं है। मन का उपयोग क्रम से चलता है। इसलिए जिस कार्य में हों, उसमें मन की पूरी उपस्थिति होनी चाहिए। साध्वी सोम्याश्रीजी म.सा. की तपस्या का उल्लेख करते हुए युवाचार्यश्री ने कहा कि मासखमण केवल 30 उपवास पूरे करने का नाम नहीं, बल्कि उस भाव की पूर्णता है, जिसके साथ तप का संकल्प लिया गया था। साध्वीजी का यह 12वां मासखमण है। पूर्व में स्वास्थ्य संबंधी कठिनाई आने के बाद भी आत्मबल और साधना के सहारे उन्होंने तप आराधना को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि केवल भावना कर लेने से तप पूर्ण नहीं होता। संकल्पबल के साथ आत्मबल और गुरु-कृपा जुड़ जाए तो कठिन साधना भी पूर्णता तक पहुंचती है। इस अवसर पर युवाचार्यश्री ने साध्वी सोम्याश्रीजी को आदर की चादर प्रदान कर तप आराधना की अनुमोदना की। यशोदिप्ति मधुकंवरजी, उपप्रवर्तिनी दिव्यज्योतिजी, महासती सुचेताजी, स्मितभाषी प्रियदर्शनाजी, साध्वी पुष्पलताजी सहित साध्वीवृंद ने युवाचार्यश्री से प्राप्त आदर की चादर तपस्वी साध्वी को ओढ़ाकर उनकी तप साधना के प्रति श्रद्धा एवं अनुमोदना व्यक्त की। वहीं युवाचार्यश्री ने साध्वी चिंतनश्रीजी को 37वें जन्मदिवस पर मंगलकामनाएं देते हुए उनके संयम, साधना एवं ज्ञानाराधना की निरंतर प्रगति की कामना की।

तीन दिवसीय 50वें मंगलोद्वय दिवस समारोह का विनयांजलि के साथ भव्य समापन

धर्म, सेवा, संस्कार एवं गुरु भक्ति से सराबोर रहा तीन दिवसीय आयोजन

जयपुर। शाबाश इंडिया

वात्सल्य रत्नाकर परम पूज्य आचार्यश्री 108 विमलसागरजी महाराज के अंतिम दीक्षित शिष्य, परम पूज्य उपाध्यायश्री 108 ऊर्जयंतसागरजी महाराज के 50वें मंगलोद्वय दिवस के उपलक्ष्य में भट्टारकजी की नसियां, जयपुर में आयोजित तीन दिवसीय धार्मिक एवं सेवा कार्यक्रम का शुक्रवार को श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ भव्य समापन हुआ। 19 से 21 अगस्त 2026 तक आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न धार्मिक, सामाजिक एवं सेवा गतिविधियां हुई। प्रथम दिन श्री कल्याण मंदिर विधान पूजन तथा भगवान पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक के अवसर पर 23 किलो का निर्वाण लाडू समर्पित किया गया। श्रद्धालुओं ने गुरु चरणों में श्रद्धा अर्पित की। दूसरे दिन प्रातः वात्सल्य रत्नाकर गुरु वंदना के साथ कार्यक्रम शुरू हुआ। गोशाला में गायों को चारा वितरण तथा वृद्धाश्रम एवं विद्यालय में बच्चों को भोजन वितरण किया गया। सायंकाल आदि अर्चना एवं प्रथम तीर्थंकर भगवान की स्तुति का आयोजन हुआ। समापन दिवस पर गुरु वंदना के बाद सेंट्रल पार्क में वृक्षारोपण किया गया। इसके बाद उपाध्यायश्री के मंगल प्रवेश के साथ भव्य जुलूस निकाला गया। समारोह स्थल पर मंगलाचरण, दीप प्रज्वलन, अतिथि सम्मान एवं विनयांजलि सभा आयोजित हुई। श्रद्धालुओं ने उपाध्यायश्री

के मंगल आशीर्वाद का लाभ लिया। सायंकाल गुरु भक्ति एवं भव्य आरती समारोह आकर्षण का केंद्र रहा। 51 थालियों में सजाए गए दीपकों से की गई आरती ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालुओं ने गुरु चरणों में श्रद्धा अर्पित करते हुए मंगलमय जीवन एवं धर्म प्रभावना की कामना की। कार्यक्रम में विद्वतजन प्रो. नलिन के. शास्त्री (दिल्ली), डॉ. एन. के. खींचा (जयपुर), एडवोकेट अनुपचंद जैन (फिरोजाबाद) एवं पं. चंदनमल अजमेरा (जयपुर) सहित अनेक गणमान्यजन एवं समाजबंधु उपस्थित रहे। समारोह के दौरान धार्मिक आयोजनों के साथ धर्म, सेवा, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, गौसेवा एवं सामाजिक सरोकारों को जोड़कर समाज को सकारात्मक संदेश दिया गया। चातुर्मास समिति के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, मंत्री सुखानंद काला, संयोजक रूपेंद्र छाबड़ा एवं प्रचार संयोजक बाबूलाल जैन ईटूंदा ने बताया कि उपाध्यायश्री 108 ऊर्जयंतसागरजी महाराज के 50वें मंगलोद्वय दिवस के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम धर्म, गुरु भक्ति एवं सेवा भावना का अनूठा संगम रहा। कार्यक्रम में समाज के सभी वर्गों का उत्साहपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि आयोजन का उद्देश्य धार्मिक गतिविधियों तक सीमित न रहकर गौसेवा, वृक्षारोपण, शिक्षा, जरूरतमंदों की सेवा एवं सामाजिक चेतना के माध्यम से भगवान महावीर के अहिंसा, करुणा एवं जीवदया के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना भी रहा। समिति

पदाधिकारियों ने आयोजन की सफलता के लिए सकल दिगंबर जैन समाज जयपुर, सभी सहयोगी संस्थाओं, दानदाताओं, कार्यकर्ताओं एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। आयोजन को सफल बनाने में उपाध्यायश्री 108 ऊर्जयंतसागरजी वषायोग समिति-2026, सकल दिगंबर जैन समाज जयपुर तथा एवीएस फाउंडेशन सहित समाज के विभिन्न कार्यकर्ताओं एवं श्रद्धालुओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। तीन दिवसीय आयोजन के गरिमापूर्ण समापन पर श्रद्धालुओं ने उपाध्यायश्री 108 ऊर्जयंतसागरजी महाराज के चरणों में नमन करते हुए उनके मंगल आशीर्वाद को जीवन के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

बाबूलाल जैन ईटूंदा: 9950722586

महिला उद्यमिता को मिला नया मंच, आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेगा समाज

रक्षाबंधन महोत्सव में 35 स्टॉलों पर महिला उद्यमियों के उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री

जयपुर। शाबाश इंडिया

महिलाओं को रोजगार से जोड़ने, उनके हुनर को पहचान दिलाने और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में 21 से 23 अगस्त तक श्री दिगंबर जैन मंदिर, यति यशोदानंदजी, चौड़ा रास्ता में तीन दिवसीय रक्षाबंधन महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। महोत्सव में महिला उद्यमियों द्वारा तैयार विभिन्न उपयोगी, आकर्षक एवं हस्तनिर्मित उत्पादों के 35 स्टॉल लगाए गए हैं, जहां प्रदर्शनी के साथ बिक्री भी की जा रही है। प्रबंध समिति के मंत्री सुदीप बागड़ा ने बताया कि पहल का उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित कर उनके उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराना है। समाजसेवी जिनेश कुमार जैन ने समाजजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर महिला उद्यमियों का उत्साह बढ़ाने की अपील की। संयोजिका सुनीला जैन ने बताया कि महोत्सव दोपहर 12 बजे से रात 9 बजे तक चलेगा। उन्होंने लोगों से महिला उद्यमियों के उत्पाद खरीदकर स्वावलंबन की इस पहल को मजबूत करने का आह्वान किया।

पौधारोपण कर किया धरती का श्रृंगार

लायंस क्लब जयपुर आदर्श नगर ने 500 छायादार एवं फलदार पौधे रोपे व वितरित किए

जयपुर। शाबाश इंडिया। लायंस क्लब जयपुर आदर्श नगर की ओर से महाराजा गवर्नमेंट गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल, छोटी चौपड़ में पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत 500 छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण एवं वितरण किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं एवं शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और पौधों की देखभाल का संकल्प लिया। क्लब अध्यक्ष लायन सुरेंद्र गुप्ता ने कहा कि वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण केवल हरियाली बढ़ाने का कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित एवं हरा-भरा भविष्य देने का संकल्प है। पर्यावरण संतुलन के लिए पौधारोपण सबसे सार्थक सेवा कार्यों में से एक है। क्लब सचिव लायन प्रकाश जैन एवं कोषाध्यक्ष लायन मनीष शर्मा ने बताया कि क्लब की ओर से लगातार जनजागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। सावन माह में विभिन्न स्कूलों एवं पार्कों में अब तक करीब 2000 पौधे लगाए जा चुके हैं। लायन योगेंद्र गुप्ता एवं महेंद्र बैराठी ने बताया कि कार्यक्रम में प्रधानाचार्य श्रीमती अनुराधा, व्याख्याता चंद्रप्रकाश, हेमा पारीख, शिक्षिकाओं एवं बड़ी संख्या में छात्राओं ने भाग लिया। क्लब की ओर से लायन रोजी सक्सेना, ऋचा खेमका, मनिका व्यास सहित महिला सदस्य भी उपस्थित रहीं।

भक्तामर के श्लोक 4 की व्याख्या से धर्मसभा हुई भावपूर्ण

पूर्वाचार्यों के प्रति श्रद्धा एवं विनय भाव के साथ चित्रों का अनावरण

किशनगढ़. शाबाश इंडिया। आरके कम्युनिटी सेंटर में आचार्य 108 श्री विहर्ष सागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य में आयोजित धर्मसभा पूर्वाचार्यों के प्रति श्रद्धा एवं विनय भाव से भावपूर्ण रही। कार्यक्रम के दौरान आचार्य 108 श्री वर्धमान सागरजी महाराज, आचार्य 108 श्री विराग सागरजी महाराज एवं आचार्य 108 श्री विशुद्ध सागरजी महाराज के चित्रों का अनावरण किया गया। चित्रों का अनावरण विमल पाटनी (उरसेवा), प्रेमचंद बड़जात्या सहित ग्वालियर एवं सलूंबर से आए भक्तों ने किया। शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य निधि हर्ष श्री माताजी के गृहस्थ जीवन के परिजनों को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर पूवाचार्यों के चरणों में अर्घ्य भी समर्पित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ, जिसे ग्वालियर के चंद्रप्रकाश जैन (पंडितजी) ने प्रस्तुत किया। मंच संचालन बसंत बैद ने किया।

आचार्यश्री ने समझाया भक्तामर का चौथा श्लोक

धर्मसभा में आचार्य 108 श्री विहर्ष सागरजी महाराज ने भक्तामर स्तोत्र के चौथे श्लोक की विस्तृत व्याख्या करते हुए उसके आध्यात्मिक एवं भावार्थ को समझाया। उन्होंने बताया कि यह श्लोक भगवान के अनंत गुणों की महिमा का वर्णन करता है तथा जीव को अपनी सीमित बुद्धि एवं सामर्थ्य का बोध कराता है।

भक्तामर स्तोत्र का श्लोक 4 — जल-जन्तु-भय मोचक

वक्तुं गुणान गुण-समुद्र-शशांक-कान्तान,
कस्ते क्षमः सुरगुरु-प्रतिमोऽपि बुद्धया।
पवनोद्धत-नक्र-चक्र-कल्पान्त-काल,
को वा तरीतुमलमम्बुनिधिं भुजाभ्याम ।।4।।

आचार्यश्री ने श्लोक का अन्वयार्थ समझाते हुए कहा कि हे गुणों के सागर! चंद्रमा की कांति के समान उज्ज्वल आपके अनंत गुणों का वर्णन करने में देवगुरु बृहस्पति के समान बुद्धिमान व्यक्ति भी पूर्णतः समर्थ नहीं हो सकता। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार प्रलयकाल में प्रचंड वायु से क्षुब्ध और मगरमच्छों के समूह से युक्त विशाल समुद्र को कोई व्यक्ति अपनी भुजाओं के बल पर पार नहीं कर सकता, उसी प्रकार भगवान के अनंत एवं अतुलनीय गुणों का पूर्ण वर्णन करना भी किसी के लिए संभव नहीं है। आचार्यश्री ने श्रद्धालुओं को भगवान के गुणों का चिंतन करने तथा अपनी बुद्धि एवं सामर्थ्य के अहंकार का त्याग कर विनय भाव धारण करने का संदेश दिया। धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं ने भक्तामर स्तोत्र के आध्यात्मिक भावों को श्रद्धापूर्वक सुना।

अभिषेक एवं शांतिधारा का सौभाग्य

आरके कम्युनिटी सेंटर स्थित अस्थायी चैत्यालय में विराजमान श्री आदिनाथ भगवान, श्री पार्श्वनाथ भगवान एवं श्री महावीर स्वामी के अभिषेक एवं शांतिधारा का सौभाग्य श्री कमलकुमारजी, अभिषेकजी एवं कविशजी बैद परिवार (ऊंटड़ा वाले) को प्राप्त हुआ। यह सौभाग्य अभिषेक बैद के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में प्राप्त हुआ।

गंगासागर के इतिहास में पहली बार निकली भगवान पार्श्वनाथ की भव्य शोभायात्रा

नवनिर्मित पार्श्वनाथ धाम में भक्तिभाव से अर्पित किया गया निर्वाण लाडू

गंगासागर। शाबाश इंडिया

गंगासागर के हजारों वर्षों के इतिहास में पहली बार नवनिर्मित पार्श्वनाथ धाम में भगवान पार्श्वनाथ की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ भगवान पार्श्वनाथ को निर्वाण लाडू अर्पित किया। 18-19 जुलाई को संपन्न वेदी प्रतिष्ठा के ठीक एक माह बाद आयोजित यह धार्मिक आयोजन श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम डॉ. निर्मल मंडल, पदमचंद एवं विकास पहाड़िया के तत्त्वावधान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर 27 पुण्यार्जक परिवारों ने 2323 रुपये की धनराशि प्रदान कर निर्वाण लाडू अर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त किया। शोभायात्रा में पोन्द्रा जैन समाज के बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। निर्वाण लाडू अर्पित करने वाले पुण्यार्जक परिवारों में राजकुमार-ज्ञाना देवी सेठी परिवार (कोलकाता), अशोक कुमार-सुमन देवी चूड़ीवाल परिवार (बरपेटा रोड, असम), ओमप्रकाश-प्रभा देवी, संदीप-सचिन सेठी परिवार (गुवाहाटी), अमरचंद-विजय-संजय सरावगी (हावड़ा), विजय-विनीत-विनय-विवेक पाटनी परिवार सहित विभिन्न शहरों एवं राज्यों के अनेक परिवार शामिल रहे। इसके अलावा नरेश-बबिता, निखिल, गार्गी, निकिता पाटनी, अजित कुमार-लीला देवी झांझरी, वीरेंद्र-विनिता जैन, श्लोक-सिद्धांत जैन, इंद्रचंद-शांति देवी परिवार, बिनोद कुमार-विकास-सोनेश-लोकेश-नरेंद्र सेठी परिवार, फूलचंद-बिनोद कुमार सेठी, सुमन पाटनी, अमित सेठी, रजत सुराणा, अनुपमा जैन, शिला जैन, आनंद कुमार जैन, पूजा जैन, अनिल-रीता-सुनील-सुशील जैन बड़जात्या, किशोर कुमार-मंजुला-मुकुल-मेघना-आरव अजमेरा, टीकमचंद-पारस कुमार-संयम-अर्णव जैन, नरेंद्र-राजकुमारी पांड्या, रमेश काला-अभिषेक-आशीष काला परिवार, नमन-नीरज जैन, ललिता दयाचंद-विशाल-विवेक बड़जात्या, अनिल-सुमित्रा-अमित कुमार-सुमित जैन कासलीवाल परिवार तथा निर्मल कुमार-धर्मेंद्र छाबड़ा सहित अन्य पुण्यार्जक परिवारों ने भी सहभागिता की। आयोजन में विभिन्न स्थानों से आए श्रद्धालुओं ने भगवान पार्श्वनाथ के दर्शन एवं पूजन का लाभ लिया। शोभायात्रा के दौरान पूरा वातावरण भगवान पार्श्वनाथ के जयकारों से गूंज उठा।

णमोकार मंत्र का अपमान करने से वैभवशाली चक्रवर्ती भी मृत्यु को प्राप्त होकर नरक गया: आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

सीकर. शाबाश इंडिया। राजकीय अतिथि वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री 108 वर्धमान सागर जी महाराज संघ सहित दांता की नसियां में विराजित हैं। प्रतिदिन अनेक नगरों से समाजजन एवं राजनीतिक पदाधिकारी आचार्य श्री के दर्शन कर आशीर्वाद लेने पहुंच रहे हैं। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद तथा पूर्व राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया, विधायक सुभाष मील, हरिराम रणवा, प्रिंस एजुकेशन हब के चेयरमैन जोगेंद्र सुंडा, पूर्व विधायक रतनलाल जलधारी, विक्रम सिंह वाहिदपुरा एवं समाजसेवी नरेश सिंधी ने आचार्य श्री के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आचार्य श्री ने आगंतुकों को स्वाध्याय के लिए जैन ग्रंथ प्रदान किए। इस अवसर पर जैन समाज की ओर से अनुभव सेठी, अजीत जयपुरिया, आशीष जयपुरिया, विनोद मोदी, संतोष बिनायक्या, सुनील पहाड़िया आदि ने तिलक एवं माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया।

संत समागम से संसार रूपी वन से निकलने का मार्ग

पारस भवन, दांता की नसियां स्थित आचार्य श्री धर्मसागर सभागृह में धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने कहा कि संसारी प्राणी संसार रूपी महावन में भटक रहा है। इस विकट महावन का छोर दिखाई नहीं देता। संत समागम रूपी शरण ग्रहण करने से ही संसार रूपी वन और समुद्र से बाहर निकलने का मार्ग मिलता है। उन्होंने कहा कि संसारी प्राणी चार गतियों और चौरासी लाख योनियों में भटकता रहता है। नरक और तिर्यंच गति अशुभ, जबकि मनुष्य गति शुभ-अशुभ तथा देव गति शुभ मानी गई है। शुभ गति प्राप्त करने के लिए धार्मिक पुरुषार्थ आवश्यक है। मनुष्य विषय भोग, पांच इंद्रियों के सुख, चार कषाय तथा मोह, राग और द्वेष में डूबा हुआ है। इनसे मुक्त होने के लिए धर्म का आश्रय लेना आवश्यक है। आचार्य श्री ने कहा कि प्रभु की भक्ति और पुण्य के प्रभाव से अनिष्ट भी इष्ट में परिवर्तित हो सकता है। उन्होंने सोमा सती के प्रसंग के माध्यम से बताया कि प्रभु भक्ति के प्रभाव से सर्प भी सोने का हार बन गया। वहीं सुभौम चक्रवर्ती ने प्राणों की रक्षा के लिए णमोकार मंत्र का अपमान किया, जिसके परिणामस्वरूप मृत्यु के बाद उसे नरक गति प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि पंच परमेष्ठी संसार रूपी वन और सागर से बाहर निकलने का मार्ग दिखाते हैं। इस जन्म में प्राप्त सुख पूर्व जन्मों के पुण्य का परिणाम है, इसलिए मनुष्य को वर्तमान जीवन में भी धर्म और सद्कर्मों का पुरुषार्थ करना चाहिए।

संस्कृत भाषण स्पर्धा का आयोजन

जयपुर। शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संस्कृत सप्ताह महोत्सव के अंतर्गत संस्कृत भाषण स्पर्धा का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने ''पर्यावरणसंरक्षणोपायाः'', ''योगः कर्मसु कौशलम्'' एवं 'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्' जैसे विषयों पर संस्कृत में अपने विचार प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण के उपायों, योग के महत्व तथा शरीर को धर्म साधना का माध्यम बताते हुए विभिन्न तर्क प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने संस्कृत भाषा में प्रभावी एवं सारगर्भित वक्तव्य देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय से पधारे अतिथि शिवनारायण महर्षि एवं गौरव शर्मा तथा महाविद्यालय के डॉ. सत्यव्रत मिश्र ने निर्णायक की भूमिका निभाई। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय से स्वाति पारीक भी अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को संस्कृत सप्ताह के समापन समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा। मंच संचालन साहित्य विभाग के सह आचार्य सविन कुमार ने किया। धन्यवाद ज्ञापन अंग्रेजी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. श्रुति पारीक ने दिया। कार्यक्रम का आयोजन साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रभारी रुचि कुमारी ने किया। शांति मंत्र के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

श्रीराम के परमभक्त गोस्वामी तुलसीदास जी को जयंती पर किया नमन

खूंटी. शाबाश इंडिया। हिंदी साहित्य के महान कवि एवं भगवान श्रीराम के अनन्य भक्त गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती पर भगत सिंह चौक में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। मां काली स्वराष्ट्र रक्षा दल के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में धर्मप्रेमियों एवं प्रबुद्धजनों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। अध्यक्ष डॉ. दीपक कुमार घोष ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास जी की अमर कृति रामचरितमानस ने भगवान श्रीराम के आदर्शों, मर्यादा, धर्म, प्रेम एवं मानवता का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। डॉ. धर्मेंद्र नाथ तिवारी, तपन घोष एवं ध्रुवेन्द्र भास्कर ने भी उनके साहित्य एवं आध्यात्मिक योगदान पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर सुमन जायसवाल, जितेंद्र पांडे, तुलसी प्रजापति सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

राघौगढ़ में श्रमण धारा प्रवचन माला का आयोजन

दूसरों को बदलने के बजाय स्वयं में सुधार करें : मुनि श्रमण सागर जी

राघौगढ़. शाबाश इंडिया। विद्या समय रत्न, महान तपस्वी, ओजस्वी वक्ता एवं बुंदेली महाकवि मुनि श्रमण सागर जी महाराज ने श्रमण धारा प्रवचन माला में कहा कि मनुष्य को सबसे पहले स्वयं को बदलने की आवश्यकता है। हम स्वयं में सुधार करने के बजाय दूसरों को बदलने का प्रयास करते हैं, जो चिकने घड़े पर पानी डालने के समान है। मुनिराज ने कहा कि दुनिया में दो तरह के लोग होते हैं—एक वे जो दूसरों के अवगुण देखते हैं और दूसरे वे जो दूसरों के गुणों को पहचानते हैं। प्रत्येक व्यक्ति में अनेक बुराइयों के बावजूद कोई न कोई सद्गुण अवश्य होता है। इसलिए हमें उसके गुणों को देखने की दृष्टि विकसित करनी चाहिए।

दुर्योधन और युधिष्ठिर का उदाहरण

महाभारत कालीन प्रसंग सुनाते हुए मुनिराज ने बताया कि गुरु द्रोणाचार्य ने दुर्योधन और युधिष्ठिर को एक-एक थाली भोजन देकर नगर में किसी गुणीजन को भोजन कराने भेजा। दुर्योधन लौटकर बोला कि उसे पूरे नगर में कोई गुणी व्यक्ति नहीं मिला। वहीं युधिष्ठिर ने आश्रम के बाहर बैठे भूखे कुत्ते को भोजन कराया। उन्होंने कहा कि कुत्ते का सबसे बड़ा गुण अपने स्वामी के प्रति वफादार होना है। मुनिराज ने कहा कि दुर्योधन ने सभी में अवगुण देखे, जबकि युधिष्ठिर ने गुण पहचाना। हमें भी दूसरों के अवगुणों के बजाय उनके गुणों को देखने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा, ''स्कूल तो गधे बदलते हैं, बुद्धिमान कक्षा बदलते हैं।'' इसका आशय समझाते हुए उन्होंने कहा कि पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थी बार-बार स्कूल बदलते हैं, जबकि बुद्धिमान विद्यार्थी एक कक्षा उत्तीर्ण कर अगली कक्षा में प्रवेश लेते हैं। मुनि श्रमण सागर जी ने रावण का उदाहरण देते हुए कहा कि रावण में अनेक बुराइयां थीं, लेकिन वह ज्ञानी भी था। इसलिए जब रावण मरणासन्न अवस्था में था, तब भगवान श्रीराम ने लक्ष्मण को उससे ज्ञान प्राप्त करने के लिए भेजा। उन्होंने कहा कि हमें दूसरों को देखने के बजाय स्वयं को देखना और अपने भीतर सुधार करना चाहिए।

राघौगढ़ में 25 से 28 सितंबर तक रक्षाबंधन महामंडल विधान

चातुर्मास व्यवस्था कार्यक्रम के संयोजक विकास कुमार जैन ने बताया कि मुनि श्रमण सागर जी एवं मुनि ओंकार सागर जी महाराज के सान्निध्य में आचार्य विद्यासागर भवन, राघौगढ़ में 25 से 28 सितंबर तक श्री रक्षाबंधन महामंडल विधान का आयोजन किया जाएगा। विधान का आयोजन बाल ब्रह्मचारी प्रतिष्ठाचार्य तरुण भैया, इंदौर के मार्गदर्शन में होगा। विधान के पुण्यार्जक परिवार राजेंद्र कुमार, सिद्धार्थ कुमार एवं श्रेयांश कुमार जैन मेडिकल परिवार, राघौगढ़ हैं।

कैंसर पीड़ित बच्चों को खाद्य सामग्री एवं फलों का वितरण

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रताप नगर सेक्टर-7 स्थित कविता कैंसर केयर सेंटर में कैंसर पीड़ित बच्चों के लिए संगिनी कैपिटल की ओर से सेवा कार्य आयोजित किया गया। इस दौरान बच्चों को भोजन, खाद्य सामग्री एवं फलों का वितरण किया गया। संगिनी कैपिटल की अध्यक्ष अलका गोधा एवं सचिव सुनीता पाटोदी ने बताया कि संगिनी ग्रुप की ओर से निरंतर सेवा एवं जनकल्याण से जुड़े कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में कैंसर पीड़ित बच्चों के बीच पहुंचकर उन्हें भोजन, खाद्य सामग्री एवं फल वितरित किए गए। यह सेवा कार्य पिंकी-चक्रेश के सहयोग से संपन्न हुआ। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष चंदना ठोलिया तथा कार्यकारिणी सदस्य पिंकी जैन एवं मंजू बज भी उपस्थित रहीं। पदाधिकारियों ने कहा कि जरूरतमंद एवं पीड़ित बच्चों की सेवा करना मानवता की सच्ची सेवा है। उन्होंने बताया कि संगिनी कैपिटल की ओर से भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य निरंतर जारी रखे जाएंगे।

मनमौजी योगा क्लास में वरिष्ठ पत्रकार रमेश भार्गव का 63वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया

ऐलनाबाद. शाबाश इंडिया। मनमौजी योगा क्लास में वरिष्ठ पत्रकार रमेश भार्गव का 63वां जन्मदिन हर्षोल्लास, आत्मीयता एवं सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भीम कांसरिया, बलराज कुक्का एवं गुरवीर सिंह (रिंकू रखरा) ने केक काटकर रमेश भार्गव को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। समारोह में रमेश भार्गव को पटका पहनाकर एवं गुलाब की पंखुड़ियों से पुष्पवर्षा कर सम्मानित किया गया। इसके बाद योगा क्लास के सभी सदस्यों का मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया गया। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की ओर से भी रमेश भार्गव के लिए जन्मदिन की शुभकामना संदेश प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में मार्केट कमेटी के वाइस चेयरमैन चंद्र प्रकाश सोनी, प्रधान कृष्ण बराड़, ओमप्रकाश खांडेकर, महेंद्र कुमार, पवन जमालिया, फकीरचंद गर्ग, जयप्रकाश सोनी, ओमप्रकाश अरोड़ा, अशोक मखीजा, सुरजीत मक्कड़, रमेश पारिक, जयवीर, चेतन अग्रवाल, संतोख सिंह, विपिन मक्कड़ एवं डॉ. रामकिशन कांबोज सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने रमेश भार्गव के स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। समारोह स्नेह, सम्मान एवं भाईचारे की भावना से यादगार बन गया।